Roll No. ..... Total Pages : 2

GSM/D-21 851

SANSKRIT (ELECTIVE)

Time Allowed : 3 Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8×2=16

(क) 'पञ्चरात्र' नाटक में बृहन्नला का वास्तविक नाम क्या है?

(ख) 'शिवराजविजय' के लेखक का क्या नाम है?

(ग) 'पारिभाषिक' शब्द किसे कहते हैं?

(घ) 'समाहार' शब्द का क्या अर्थ है यह किस समास में प्रयोग होता है।

(ङ) सबसे अधिक वर्ण किस प्रत्याहार में हैं? वे कितने हैं।

(च) शतृ व शानच् प्रत्ययों में क्या अन्तर है?

(छ) घरेलु पत्र किसे कहते हैं?

(ज) 'पंचतन्त्र' के लेखक का क्या नाम है?

2. (क) किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×2=10

(i) अकारणं रूपमकारणं कुलं महत्सु नीचेषु च कर्म शोभते।
इदं हि रूपं परिभूतपूर्वकं तदैव भूयो बहुमानमागतम्।।

(ii) स्रुग्भाण्डमरणीं दर्भानुपभुङक्ते हुताशनः ।
व्यसनित्वान्नरः क्षीणः परिच्छद्मिवात्मनः।।

(iii) एकोदकत्वं खलु नाम लोके मनस्विनां कम्पयते मनांसि।
वैरप्रियैस्तैर्हि कृतेऽपराधे यत्सत्यमस्माभिरिवापराद्धम्।।

(iv) किमर्थं स्तुयते कोऽपि भवता गर्विताक्षरैः।
कथ्यतां नास्ति में त्रासो यद्येष पवनोजवे।।

(ख) 'पञ्चरात्र' के आधार पर भास की नाट्य शैली का वर्णन कीजिए। अथवा द्रोणाचार्य का चरित्र-चित्रण कीजिए। 6

3. (क) किन्हीं दो पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणी लिखिए: 2×4=8

(i) प्रस्तावना (ii) अपवारितम्

(iii) सूत्रधार (iv) नान्दी।

(ख) बाणभट्ट की गद्यशैली का वर्णन कीजिए। 8

अथवा

सुबन्धु की गद्य विशेषताओं का प्रतिपादन कीजिए।

4. (क) किन्हीं चार समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 4×2=8

(i) खेचरः (ii) सुमद्रम्

(iii) पापपुण्यम् (iv) करकमलम्

(v) प्रियदर्शनः (vi) कुलगुरूः

(vii) पञ्चवटी (viii) पितरौ।

(ख) किन्हीं आठ के यथानिर्दिष्ट रूप लिखिए: 8×1=8

दह् + कत्वा, कथ् + तुमुन्, हन् + यत्, क्री + शतृ, याज् + ण्यत्, दा + शानच्, भुज् + क्त, स्मृ + क्तवतु, घ्रा + तव्यत्, भक्ष् + अनीयर्, स्पर्श + क्त, नी + यत्।

5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रत्याहारों के अन्तर्गत आने वाले वर्णों को क्रमानुसार लिखिए : 4×2=8

(i) अल् (ii) जश् (iii) यण्

(iv) झष् (v) ठक् (vi) खर्

(vii) हल् (viii) अण्।

(ख) छात्रवृत्ति प्राप्तयर्थं महाविद्यालयस्य प्राचार्यं प्रति प्रार्थना-पत्रं लिखत । 8

अथवा

अवकाशार्थं प्राचार्यं प्रति प्रार्थना-पत्रं लिखतु।